हरिभूमि

रायगढ़-जशपुर भूमि

बिलासपुर, शनिवार 10 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री

[खरसिया| सारंगढ़| घरघोड़ा| धरमजयगढ़| पुसौर| बरमकेला| लैलूंगा| तमनार]

4 कलेक्टर-एसपी, डीईओ ने बच्चों की ली क्लास



केनाल लिंक रोड के जरिए मरीन ड्राइव तक पहुंच होगी आसान, शहर को मिलेगा वैकल्पिक मार्ग

केलो नदी पर बनेगा 120 मीटर लंबा पुल 13.32 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



शहर में बढ़ते यातायात दबाव के बीच सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में केलो नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण शुरू हो गया है। 120 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा यह पुल शहर के यातायात नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पुल निर्माण के लिए 20.52 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई हैए जबकि इसकी परियोजना लागत 13.32 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। निर्माण कार्य को जुलाई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पुल के तैयार होने से केनाल लिंक रोड को मरीन ड्राइव से जोड़ने की योजना को गति मिलेगी और शहरवासियों को आवागमन के लिए एक वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध हो सकेगा।

शहर में लगातार बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण प्रमुख सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ रहा है। खासकर पुरानी और संकरी सड़कों पर लोगों को कई बार जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग विकसित करना जरूरी हो गया है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए केवड़ाबाड़ी चौक से बड़े नाले के किनारे होते हुए चांदनी चौक तक केनाल लिंक रोड बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इस सड़क को आगे मरीन ड्राइव से जोड़ने के लिए केलो नदी पर उच्चस्तरीय पुल बनाया जा रहा है। केलो नदी पर बनने वाले इस पुल की लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर निर्धारित की गई है। परियोजना के लिए 20.52 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू किया गया है। वहींए पुल की परियोजना लागत 13.32 करोड़ रुपये बताई गई है। निर्माण कार्य पूरा करने के लिए जुलाई 2027 की समयसीमा तय की गई है। अब निर्धारित समय में काम पूरा करना निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि पुल के तैयार होने के बाद ही इस मार्ग से यातायात संचालन का लाभ मिल सकेगा।

शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद

केनाल लिंक रोड और केलो नदी पर बनने वाले पुल को शहर की यातायात व्यवस्था के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इसके जरिए मरीन ड्राइव तक पहुंचने का वैकल्पिक रास्ता विकसित होगा। इससे शहर के भीतर चलने वाले वाहनों को अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए एक अतिरिक्त मार्ग मिल सकता है। इसका फायदा उन लोगों को भी मिलने की उम्मीद हैए जिन्हें रोजाना प्रमुख चौक.चौराहों और संकरी सड़कों से होकर गुजरना पड़ता है और ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

लैलूंगा के किसानों ने बदली खेती की राह

रायगढ़। खेती में बदलाव की शुरुआत खेत से होती है। रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के किसानों ने धान के बदले सन की खेती अपनाकर इसकी मिसाल पेश की है। ग्राम केंदाटिकरा के सुखदेव सिदार और ग्राम लैलूंगा के चंद्रशेखर पटेल ने टिकरा जमीन पर बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत सन की फसल लगाई है। दोनों के खेतों में लहलहाती फसल अब दूसरे किसानों का ध्यान भी वैकल्पिक खेती की ओर खींच रही है। कम पानी वाली जमीन पर फसल का बेहतर उपयोग और बीज उत्पादन के जरिए आमदनी बढ़ाने की दिशा में यह विशेष प्रयास है। सन केवल बीज उत्पादन तक सीमित नहीं है। इसके रेशों से रस्सी बनाई जाती हैए जिसका उपयोग बोरियों और खाट की बुनाई सहित विभिन्न कामों में होता है। इसकी हरी फसल को खेत में मिलाकर हरी खाद के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे मिट्टी में जैविक पदार्थ बढ़ाने और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत कम करने में मदद मिलती है।

हृदय रोग पीड़ित सात बच्चों का होगा उपचार

रायगढ़। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और गंभीर बीमारियों का समय पर उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जन्मजात हृदय रोग से पीड़ति पाए गए सात बच्चों को उपचार के लिए श्री बालाजी हॉस्पिटल रायपुर भेजा गया है।

विद्यार्थियों को दी गई मतदाता पंजीयन की जानकारी

रायगढ़। नवीन शासकीय महाविद्यालय कुसमरा में शुक्रवार को उन विद्यार्थियों को मतदाता पंजीयन की जानकारी दी गई, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। विद्यार्थियों को फॉर्म.6 भरने और ईसीआईनेट मोबाइल ऐप के उपयोग की जानकारी दी गई। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों के फॉर्म.6 मोबाइल ऐप के माध्यम से भरे गए। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में छूटे हुए पात्र नागरिकों और पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर 8 से 10 अक्टूबर तक तीन दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत स्कूलों और महाविद्यालयों में गठित निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से भी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन भरवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर.घर जाकर मतदाता सूची की प्रविष्टियों का सत्यापन किया जा रहा है।

अवैध लकड़ी काटकर बनाए 23 नग साल चिरान, टीम ने किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले में अवैध लकड़ी तस्करों के खिलाफ वन विभाग ने सप्ताह पखवाडे भर के भीतर चौथी कार्रवाई की गई है। ग्राम भगोरा में घर में संचालित अवैध आरा मिल सहित 23 नग साल चिरान सहित लकडी काटने का औजार आदि भी जब्त किया है। बता दें कि ग्राम भगोरा में यह दूसरी कार्रवाई वन विभाग ने की है। वन विभाग को क्षेत्र में अवैध रूप से लकड़ी लाकर उसका चिरान तैयार करने की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही उड़नदस्ता टीम ने मौके पर दबिश दी। मौके पर जब घर और आंगन की तलाशी ली गई, तो वहां साल लकड़ी के 23 नग चिरान बरामद हुए। इसके साथ ही लकड़ी चिरने में इस्तेमाल किया जाने वाला हाथ आरा भी जब्त किया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरोपी पास ही स्थित भगोरा के जंगलों से अवैध रूप से साल की बेशकीमती लकड़ियां काटकर लाया था और उन्हें बिक्री के लिए तैयार कर रहा था। वन अमले ने चिरान और हाथ आरा को कब्जे में ले लिया है और आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि इससे पहले धरमजयगढ़ और घरघोड़ा क्षेत्र में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में भारी मात्रा में इमारती लकड़ी और गाड़ियां जब्त की गई हैं। 8 अक्टूबर को धरमजयगढ़ वनमंडल के बाकारुमा-लैलूंगा मार्ग पर वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी कर तिरपाल से ढके एक 14 चक्का ट्रक को पकड़ा। जांच करने पर ट्रक में भारी मात्रा में बेशकीमती खैर की लकड़ियां भरी हुई मिलीं। अंधेरे का फायदा उठाकर चालक और तस्कर भागने में सफल रहे। वन अमले ने ट्रक और अवैध लकड़ी को जब्त कर धरमजयगढ़ काष्ठागार डिपो में सुरक्षार्थ भिजवा दिया है। इसके अलावा घरघोड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत ढोरम गांव में वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने 7 अक्टूबर को बड़ी कार्रवाई की।

इतवारी-शालीमार-इतवारी के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन, रायगढ़ में भी मिला ठहराव

रायगढ़। रेलवे प्रशासन द्वारा दुर्गा पूजा के दौरान यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु इतवारी-शालीमार-इतवारी के मध्य 3-3 फेरों के लिये पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 08861 नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी)–शालीमार पूजा स्पेशल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी) से प्रत्येक गुरुवार 15, 22 एवं 29 अक्टूबर को तथा गाड़ी संख्या 08862 शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी) पूजा स्पेशल ट्रेन शालीमार से प्रत्येक शुक्रवार 16, 23 एवं 30 अक्टूबर को चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायगढ सहित गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनादगाँव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा में दिया गया है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08861 नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी)-शालीमार पूजा स्पेशल ट्रेन नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी) स्टेशन से प्रत्येक गुरुवार 15, 22 एवं 29 अक्टूबर को शाम 5.10 बजे रवाना होगी, जो रायगढ़ मध्य रात्रि 02.32 बजे पहुंचेगी।



खबर संक्षेप

नवरात्रि, दशहरा के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव

जशपुरनगर। आने वाले नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दौरान मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन एवं रावण दहन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों की बड़ी संख्या में आवाजाही को देखते हुए जशपुर पुलिस द्वारा शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बसों के मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। बसों का संचालन परिवर्तित मार्ग पर- पर्व के दौरान शहर में यातायात का दबाव कम करने, आवागमन को सुचारु बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए जिले के कप्तान डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, डॉ लाल उमेद सिंह के द्वारा जारी आदेश के अनुसार 11 से 20 अक्टूबर 2026 तक बसों का संचालन निम्नानुसार परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रगृह योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

जशपुरनगर। समाज कल्याण विभाग जशपुर की ओर से क्षितिज-अपार संभावनाएं दिव्यांग व्यक्ति अधिनियम, 1995 के तहत दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित, उन्हें संबल प्रदान करने एवं उनके अधिकारो का संरक्षण हेतु 1 या 1 से अधिक दिव्यांग विद्यार्थियों के समूह को किराये के भवन में निशुल्क आवास सुविधा उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान किया जाना है। योजना से राज्य के दिव्यांग विद्यार्थी समूह देश के अन्य राज्य में भी अध्ययन करने हेतु लाभ ले सकेंगे। योजना की पात्रता एवं शर्ते निम्नानुसार होगीः-दिव्यांगता 40 प्रतिशत या इससे अधिक हो, आवेदक छग राज्य का मूल निवासी हो, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण, आईटीआई/ पॉलिटेक्निक/ स्नातक एवं स्नातकोत्तर में नियमित विद्यार्थी अथवा चिकित्सा/ तकनीकी/ व्यावसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत नियमित विद्यार्थी एवं शिक्षण संस्थान से आवेदक के मूल निवास की दूरी 20 किलोमीटर से अधिक हो। उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला जशपुर की ओर से क्षितिज-अपार संभावनाएं अंतर्गत उच्च शिक्षा में अध्ययनरत नियमित दिव्यांगजन छात्रों का ऑफलाइन-ऑनलाइन आवेदन समस्त महाविद्यालय, उच्च शिक्षा संस्थाओ द्वारा आयु, जन्मतिथि, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र आदि का परीक्षण एवं प्रमाणित कर उप संचालक, जिला कार्यालय, समाज कल्याण विभाग, जिला जशपुर को उपलब्ध करवाने हेतु निर्देशित किया गया है।

स्टार्टअप शिविर में युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित



जशपुरनगर। शासकीय रामभजन राय एनईएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जशपुरनगर में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत उद्योग-अकादमिक एकीकरण, कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'स्टार्टअप शिविर'का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं, नवाचार, उद्यमिता तथा छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा संचालित 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज की जानकारी देकर उन्हें स्वरोजगार और स्टार्टअप स्थापना के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमरेन्द्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता और नवाचार की सोच विकसित करना आवश्यक है। युवाओं को नौकरी प्राप्त करने के साथ-साथ ऐसे नए विचारों और उद्यमों की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए, जिनसे वे स्वयं आत्मनिर्भर बन सकें और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर सृजित कर सकें।

समान नागरिक संहिता को लेकर समूह चर्चा एवं बैठक



जशपुरनगर। समान नागरिक संहिता के संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों के विचार एवं सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग के प्रतिनिधियों के साथ समूह चर्चा एवं बैठक का आयोजन शुक्रवार को जशपुर स्थित जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। सर्व प्रथम सरगुजा संभाग के आयुक्त नरेन्द्र दुग्गा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। तत्पश्चात उच्च स्तरीय समिति के सचिव एवं रायपुर संभाग के आयुक्त श्री श्याम धावड़े द्वारा समान नागरिक संहिता की उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों का परिचय सभा के समक्ष दिया गया। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित एवं गणमान्य नागरिकों तथा निगम, मंडल एवं आयोग के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। समिति के समक्ष विवाह एवं तलाक भरण-पोषण उत्तराधिकार एवं विरासत और लिव-इन संबंध जैसे मुद्दों पर विभिन्न सामाजिक, राजनितिक, धार्मिक संघों के पदाधिकारियों ने खुलकर अपने सुझाव दिए। बैठक में यूसीसी समिति के सदस्य एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमके राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त प्राचार्या डॉ ज्योति रानी सिंह, उच्च स्तरीय समिति के सचिव एवं आयुक्त रायपुर संभाग श्याम लाल धावड़े तथा सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा, उपस्थित रहे।

99 हजार नगद सहित मोटरसाइकिल, चाकू व मोबाइल जब्त

प्रोफेसर का अपहरण व लूटकांडः तीन अन्य आरोपी भी चढ़े पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



पुसौर थाना क्षेत्र के ग्राम जकेला निवासी डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर कपूर चंद गुप्ता के अपहरण एवं लूट की वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपियों को भी अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास 99 हजार 100 रूपए सहित इस वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, चाकू व मोबाइल जब्त किया गया है। आरोपियों ने अपहरण व लूट की वारदात को उनके परिवार से आसानी से रकम ऐंठने की मंशा से अंजाम दिया था।

गौरतलब है कि शासकीय किरोडीमल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत कपूर चंद गुप्ता पिता डमरूधर गुप्ता 47 वर्ष निवासी ग्राम जाकेला बीते 5 अक्टूबर की शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच वह गांव के डीपापारा एवं शोभा राइस मिल के पास इवनिंग वॉक कर रहे थे। इसी बीच थकान महसूस होने पर वे सड़क किनारे स्थित डबरी के पास माइलस्टोन पत्थर पर बैठकर आराम करने लगे। इसी दौरान आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से उन्हें घेर लिया और पकड़कर डबरी की ओर ले गए। उनकी आंखों पर पट्टी बांध दी तथा पेट, गर्दन और छाती पर चाकू लगाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें मोटरसाइकिल से दूसरे स्थान पर ले जाकर मारपीट भी की और मोबाइल फोन का पासवर्ड, गूगल पे तथा भीम यूपीआई एप के पासवर्ड हासिल कर लिए। आरोपियों ने पीड़ित के मोबाइल से डिजिटल भुगतान के माध्यम से अपनी एक परिचित महिला के खाते का क्यू आर कोड मंगवाया और अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से रकम ट्रांसफर की। इस दौरान आरोपियों ने उन्हें धमकाकर उसके घर फोन भी करवाया, ताकि परिजनों को किसी अनहोनी का संदेह न हो। रकम ट्रांसफर कराने के बाद आरोपियों ने पीड़ित की आंखों पर दोबारा पट्टी बांधी और उसे भूपदेवपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंडरीपानी में स्थित एक कमरे में बंधक बनाकर रखा। इधर, उनकी पत्नी व बेटे को फोन पर बातचीत के दौरान संदेह हुआ। ऐसे में उनके बेटे ने किसी तरह उनका मोबाइल लोकेशन खंगालना शुरू की। तब उनका लोकेशन भूपदेवपुर के पंडरीपानी में दिखा। ऐसी स्थिति में परिजन की शंका और अधिक गहरी हुई, फिर इस लोकेशन का पीछा करते हुए परिजन व ग्रामीण वहां पहुंच गए। उनके आने की भनक लगते ही आरोपी प्रोफेसर गुप्ता को छोड कर फरार हो गए। इसी बीच सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और पीड़ित को मुक्त कराकर थाने ले आई। जहां उनके बयान के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा 140(3), 309(6), 142 एवं 351(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। इसी बीच एक आरोपी की सूचना पुलिस को मिली और पुलिस ने दबिश देते हुए सुनील कुमार विशाल उर्फ सुनील सारथी पिता बरतराम विशाल 32 वर्ष निवासी छातामुड़ा वार्ड नंबर 41 को सारंगढ से गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं शेष की अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।

लिमिट समाप्त होने तक रकम निकालने की कोशिश

पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने अपहरण की योजना बनाने के आरोप में राजेंद्र कुमार महंत उर्फ प्रदीप महंत, उसके भाई नरेंद्र उर्फ नंदू महंत तथा दिनेश सारथी की तलाश तेज की। पुलिस टीम ने लगातार दबिश और घेराबंदी कर तीनों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने प्रोफेसर को नौकरीपेशा और सीधे-सादे व्यक्ति के रूप में देखकर उनके परिवार से आसानी से रकम ऐंठने की मंशा से वारदात की योजना बनाई थी। पुलिस ने आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाकर घटनाक्रम का रिक्रिएशन भी कराया। इसी बीच जांच में यह बात सामने आई कि आरोपियों ने पीड़ित प्रोफेसर के खाते की उपलब्ध ट्रांजेक्शन लिमिट समाप्त होने तक रकम निकालने की कोशिश की थी।

तीन दिन पहले बनाई योजना

पूछताछ के दौरान पता चला कि पहले से ही इसके लिए सुनियोजित तरीके से साजिश रची थी। घटना से करीब 3 दिन पहले मुख्य आरोपी राजेन्द्र कुमार महंत उर्फ प्रदीप महंत पिता समय लाल महंत 35 वर्ष निवासी जकेला और दिनेश सारथी पिता पैतराम सारथी 34 वर्ष निवासी औरदा, सुनील सारथी के छातामुड़ा स्थित घर पहुंचे, जहां तीनों ने मिलकर अपहरण कर रकम ऐंठने की योजना बनाई। इसके बाद 5 अक्टूबर की शाम तीनों आरोपी दिनेश सारथी के भाई की मोटरसाइकिल से ग्राम जकेला स्थित राइस मिल के पास पहुंचे। जहां उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया।

हत्या के मामले में जेल जा चुका है आरोपी

इस संबंध में एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि इस अपहरण व लूटकांड का मुख्य आरोपी राजेन्द्र उर्फ प्रदीप महंत पहले से ही आपराधिक प्रवृत्ति का है। वह पहले भी हत्या के मामले में जेल की सजा काट चुका है।

चंद्रपुर नवरात्रि मेले में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

चंद्रपुर। मां चंद्रहासिनी की पावन नगरी चंद्रपुर में क्वांर नवरात्रि को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस वर्ष 11 से 20 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले नवरात्रि पर्व एवं मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना जताई जा रही है। धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र चंद्रपुर में नवरात्रि के दौरान दूर.दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां चंद्रहासिनी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के सामने एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इस बार नवरात्रि मेले की संपूर्ण व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए ब्लॉक डभरा के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एसडीएम विनय कुमार कश्यप के नेतृत्व में प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। शासन.प्रशासन के साथ मां चंद्रहासिनी मंदिर ट्रस्ट का भी आयोजन के दौरान महत्वपूर्ण सहयोग रहता है। प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट के आपसी समन्वय से नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की उम्मीद की जा रही है। वही नवरात्रि मेले के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो और शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहेए इसके लिए चंद्रपुर के तहसीलदार संजय मिंज को कार्यपालिक दंडाधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।



पिछले वर्षों की घटनाएं बनीं चिंता का विषय

चंद्रपुर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान नवरात्रि मेले के समय चैन स्नेचिंग, चोरी, लूटपाट और आपसी लड़ाई.झगड़े घंटों घंटों तक रोडजाम की स्थिति जैसी घटनाओं की चर्चाएं सामने आती रही हैं। इन घटनाओं को लेकर स्थानीय नागरिकों के मन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बनी रहती है। हालांकि इस वर्ष ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रशासन को पहले से सतर्क रहने की आवश्यकता है।

नगरवासियों को बेहतर कानून व्यवस्था की उम्मीद

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, शांति व्यवस्था और कानून का प्रभावी पालन सुनिश्चित हुआ तो मां चंद्रहासिनी की नगरी में नवरात्रि का यह पर्व श्रद्धाए विश्वास और सौहार्द के वातावरण में संपन्न हो सकेगा। नगरवासियों को उम्मीद है कि इस बार किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना के बिना नवरात्रि मेला सफलतापूर्वक संपन्न, होगा और चंद्रपुर की धार्मिक गरिमा और प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

सीमेंट प्लांट में रोजगार की मांग को लेकर फिर से धनागर के युवाओं ने खोला मोर्चा

रायगढ़। ग्राम पंचायत धनागर को जिंदल सीमेंट प्लांट द्वारा गोद लिया गया था, इसी बीच ग्राम पंचायत के प्रभावित व योग्य युवाओं को रोजगार देने की मांग की गई थी। किंतु उनका कहना है कि अब तक उन्हें प्लांट में रोजगार नहीं मिल सका है। जबकि पिछली बार कंपनी प्रबंधन ने उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर आश्वास्त किया था। यही वजह है कि शुक्रवार की सुबह से ही गांव के प्रभावित युवाओं ने कंपनी मुख्य गेट पर जाकर धरना प्रदर्शन किया और रोजगार की मांग की।

इस संबंध में ग्राम पंचायत धनागर के युवाओं ने बताया कि दो साल पहले भी उन्होंने रोजगार की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। ऐसे में कंपनी प्रबंधन ने उन्हें योग्यता अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर ठोस आश्वासन दिया था, किंतु अब तक उन्हें कंपनी में रोजगार नहीं मिल सका है। जबकि स्थापना के समय से ही ग्राम पंचायत के प्रभावित युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार कंपनी में रोजगार देने की बात हुई है। वहीं इस बीच कई बार कंपनी प्रबंधन से बात हुई थी, किंतु उनकी मांगें अब तक पूरी नहीं की जा सकी हैं। यही वजह है कि शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे से ही करीब प्रभावित युवा कंपनी प्रबंधन के मुख्य गेट पर पहुंचे और दोपहर करीब 3 बजे तक धरने पर बैठ कर चक्काजाम करते हुए नारेबाजी करते रहे। इस दौरान कंपनी के अधिकारियों से उन्होंने मुलाकात की और अपनी मांगों को रखा। बताया जा रहा है कि इस दौरान वहां मौजूद अधिकारियों ने उन्हें फिर से रोजगार देने की बात पर आश्वासन दिया।



सोमवार को त्रिपक्षीय बैठक में होगा फैसला

प्रभावित युवाओं ने बताया कि शुक्रवार को अधिकारियों ने उन्हें तीन दिन की मोहलत मांगी है। ऐसे में सोमवार को त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें कंपनी प्रबंधन के अधिकारीगण होंगे। इस दौरान गांव के युवा भी अपनी रोजगार की मांग को स्पष्ट रूप से रखेंगे।

महिला कोष और सक्षम ऋण योजना से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने पर जोर



रायगढ़। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहें बल्कि पात्र हितग्राहियों को उसका वास्तविक लाभ मिले। कलेक्टर ने सभी सीडीपीओ को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग की किसी एक योजना को विशेष रूप से फोकस कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले में उस योजना का ऐसा बेहतर मॉडल तैयार किया जाए, जिसे राज्य स्तर पर उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित सुपोषण चौपाल और न्योता भोज में अधिक से अधिक सामूहिक सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समुदाय को भी इन गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि बच्चों के पोषण को लेकर जनभागीदारी और जागरूकता बढ़े।

कायाकल्प में धीमी प्रगति पर कलेक्टर हुए नाराज एएनसी पंजीयन में तेजी लाने के दिए निर्देश



रायगढ़। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जिला चिकित्सालय में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक लेकर जिले में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। चिकित्सा सेवा से जुड़े सभी अधिकारी कर्मचारी पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और प्राथमिकता के साथ कार्य करते हुए केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय.सीमा में पूरा करें। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में फील्ड स्तर पर आ रही समस्याओं की जानकारी लेते हुए उनके समाधान के लिए प्रभावी रणनीति एवं कार्ययोजना तैयार कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्रवार एएनसी पंजीयन एवं जांच की स्थिति की समीक्षा करते हुए पंजीयन बढ़ाने तथा एएनसी सेवाओं में बेहतर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाई रिस्क प्रेगनेंसी एचआरपी की वर्षवार स्थिति का विश्लेषण कर प्रभावी मॉनिटरिंग करने को कहा। साथ ही हाई रिस्क प्रेगनेंसी के एएनसी कैप्चर में आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर उसके समाधान के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

रायगढ़ के गांवों में बनेंगे खेल के मैदान, 9 पंचायतों के लिए 46 लाख स्वीकृत, चौधरी की पहल से युवाओं को मिलेगा मंच



रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को तराशने में जुटी है। इसी कड़ी में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी के प्रयासों से रायगढ़ जिले की 9 ग्राम पंचायतों में खेल परिसरों के विकास के लिए 46 लाख 31 हजार 848 रुपये की स्वीकृति डीएमएफ से दी गई है। इस पहल से धरमजयगढ़, घरघोड़ा और तमनार ब्लॉक के खेल परिसरों में अहाता निर्माण होगा। इससे मैदान सुरक्षित और व्यवस्थित होंगे और गांव के बच्चों व युवाओं को अभ्यास के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। खास बात यह है कि यह सभी निर्माण कार्य वीबी.जी राम जी योजना के अभिसरण से होंगेए जिससे निर्माण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार मिलेगा। यानी खेल के साथ.साथ रोजगार भी। धरमजयगढ़ ब्लॉक की 6 पंचायतों के लिए सबसे ज्यादा 28.24 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं। इसमें ग्राम खम्हार के लिए 6.06 लाख, भोजपुर के लिए 2.51 लाख, पुटुकछार के थिरींआमा के लिए 3.38 लाख, कमरई के लिए 5.05 लाख, धौराभांठा के लिए 5.21 लाख और गनपतपुर के लिए 5.99 लाख शामिल हैं। वहीं घरघोड़ा ब्लॉक की दो पंचायतों घरघोड़ी के लिए 6.12 लाख और कया के लिए 6.28 लाखए जबकि तमनार ब्लॉक की सराईपाली पंचायत के लिए 5.67 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। खनन प्रभावित क्षेत्रों में डीएमएफ राशि से विकास को प्राथमिकता दी जा रही है और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रयासों से रायगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ.साथ खेल अधोसंरचना को भी मजबूती मिल रही है।

इचकेला छात्रावास की बेटियों ने क्रिकेट में रचा इतिहास

जशपुरनगर। जशपुर जिले की बेटियों ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण के दम पर क्रिकेट के मैदान में शानदार सफलता हासिल की है। शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास इचकेला में रहकर अध्ययन करने वाली बालिका क्रिकेट खिलाड़ियों की शानदार प्रदर्शन के बदौलत राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंडर-17 और अंडर-19 दोनों आयु वर्गों में सरगुजा जोन की टीम ने प्रदेश के अन्य जोनों को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया हैं। दोनों वर्गों में इस दोहरी सफलता से इचकेला छात्रावास की प्रतिभाशाली बेटियों ने अपनी खेल क्षमता का लोहा मनवाया है। उनकी इस उपलब्धि पर कलेक्टर रोहित व्यास सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों और खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं।



वर्षों के अभ्यास और मेहनत का मिला परिणाम

छात्रावास अधीक्षिका पंडरी बाई और शंकर ने बताया कि बालिकाएं पिछले पांच-छह वर्षों से लगातार अभ्यास कर रही हैं। नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन और कठिन परिश्रम के साथ खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा को निखारा है। लगातार दो वर्षों से स्वर्ण पदक जीतना उनके समर्पण और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जनरल मैनेजर श्री अनिल श्रीवास्तव, सुगंती कुजूर, रीना मैडम तथा प्रशिक्षकों के सहयोग और मार्गदर्शन ने भी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। छात्रावास में रहकर पढ़ाई के साथ खेल की तैयारी करने वाली बेटियों की सफलता क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

अंडर-17 में लगातार दूसरे वर्ष स्वर्णिम सफलता

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 7 अक्टूबर 2026 तक सारंगढ़ में किया गया। अंडर-17 बालिका क्रिकेट वर्ग में सरगुजा जोन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रायपुर, दुर्ग और बस्तर जोन को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में बिलासपुर जोन को हराकर टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस विजेता टीम में इचकेला छात्रावास की 10 बालिका खिलाड़ी शामिल थीं। टीम की कप्तान कुमारी गायत्री बाई के साथ एंजेल लकड़ा, आस्था रानी, आकृति यादव, अमीषा लकड़ा, साक्षी यादव, सुप्रिया मिंज, अनन्या सिदार, अलका रानी कुजूर और आराधना ने अपने खेल कौशल से टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफलता की खास बात यह है कि सरगुजा जोन की अंडर-17 बालिका क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष कांकेर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता था। इस वर्ष फिर गोल्ड मेडल हासिल कर टीम ने लगातार दूसरे साल अपनी श्रेष्ठता साबित की है।



तुबा जंगल में 6 पेड़ों की अवैध कटाई, बीट गार्ड को नोटिस

जशपुरनगर। तुबा जंगल में मवेशी चराने के बहाने वन संपदा के अवैध दोहन और पेड़ों की कटाई के मामले में वन विभाग ने कार्रवाई की है। वन परिक्षेत्र अधिकारी, तपकरा द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया, जिसमें मौके पर 6 नग पेड़ों के ठूंठ पाए गए। पूछताछ के आधार पर अवैध कटाई में संलिप्त व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध पीओआर प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। विभाग के अनुसार उक्त घटना कंडईबहार परिसर की है, जो फरसाबहार सर्किल के अंतर्गत आता है। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि, भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परिक्षेत्र सहायक और परिसर रक्षक को कड़ी निगरानी और नियमित गश्त के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संबंधित कर्मचारियों को स्पष्टीकरण नोटिस भी जारी किया गया है।

परिंदा जो क्रांतिवीर बना, पद्मश्री समेत मिले कई अवॉर्ड

नाना की वो फिल्में, जिन्हें आज भी लोग करते हैं याद



मुंबई। कई दशकों तक भारतीय सिनेमा पर राज करने वाले दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपने फैंस को अलविदा कह गए। अभिनेता ने मुंबई में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने साल 1978 में फिल्म 'गमन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद इन्होंने 'आज की आवाज', 'परिंदा' और 'एंगर' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्हें शुरुआत में सबसे ज्यादा पहचान फिल्म 'अग्नि साक्षी' से मिली। नाना पाटेकर उन चुनिंदा अभिनेताओं में रहे जिन्हें अभिनय के लिए तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। इसमें परिंदा के लिए सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता, क्रांतिवीर के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अग्निसाक्षी के लिए सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता। साल 2013 में उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

मराठी फिल्मों में भी किया काम

लगभग पांच दशक लंबे अपने करियर में नाना पाटेकर ने कई तरह के रोल किए। वह सबसे कैरेक्टर आर्टिस्ट के तौर पर मशहूर थे। उन्होंने फिल्मों में खलनायक, विद्रोही, कॉमेडी और गंभीर भूमिकाएं निभाई हैं। बॉलीवुड के अलावा उन्होंने मराठी, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। मराठी में उनकी मशहूर फिल्में 'सिन्हासन', 'पक पक पकाक' और 'नटसम्राट' शामिल हैं।

परिंदा- 1989

नाना पाटेकर फिल्म 'परिंदा' उनकी सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है। इसमें उन्होंने अन्ना नाम के एक खतरनाक और सनकील्ड डॉन का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उन्हें बेहतरीन अदाकारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

तिरंगा- 1993

अभिनेता ने इसमें इंस्पेक्टर शिवाजीराव वाघले का किरदार निभाया था। यह किरदार बेहद दमदार और कड़क पुलिस अधिकारी का था। इसमें राज कुमार और ममता कुलकर्णी भी थे।

क्रांतिवीर- 1994

नाना पाटेकर को 'क्रांतिवीर' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए सर्वेश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। इसमें उन्होंने प्रताप नारायण तिलक का किरदार निभाया है। वह समाज में फैली भ्रष्ट व्यवस्था, सांप्रदायिक नफरत और राजनीतिक ताकतों के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

अग्नि साक्षी- 1996

इस फिल्म में अभिनेता ने विश्वनाथ का किदार

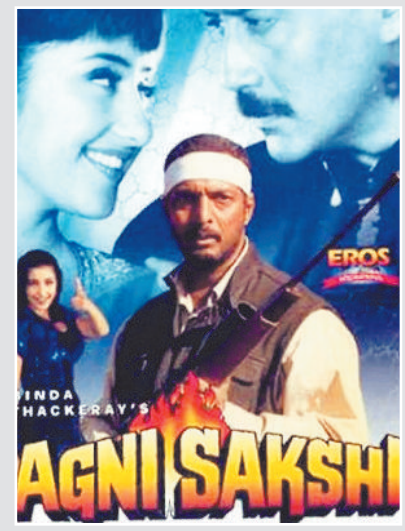

निभाया था। इसमें उन्होंने एक सनकी और हिंसक पति की भूमिका निभाई थी। इसमें मनीषा कोइराल और जैकी श्रॉफ थे। फिल्म में शानदार अभिनय करने के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।

अब तक छप्पन- 2004

इस फिल्म में अभिनेता ने मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्क्वाड के अनुभवी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट इंस्पेक्टर साधु आगाशे का किरदार निभाया था। यह किरदार मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक से प्रेरित था।

अपहरण- 2005

नाना पाटेकर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में 'अपहरण' भी शामिल है। इसमें उन्होंने तबेज आलम का किरदार निभाया था। बिहार की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में अभिनेता ने एक शक्तिशाली और भ्रष्ट नेता के रूप में नजर आए थे।

वेलकम- 2007

कॉमेडी फिल्म 'वेलकम' में नाना पाटेकर ने उदय शंकर शेट्टी का किरदार निभाया था। इसमें वह एक खूंखार लेकिन मजाकिया अंडरवर्ल्ड डॉन बने थे। इसमें अक्षय कुमार, कट्रीना कैफ और परेश रावल भी थे।

राजनीति- 2010

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म 'राजनीति' में नाना पाटेकर ने बृज गोपाल का किरदार निभाया था। वह मुख्य राजनीतिक परिवार के मार्गदर्शक और सलाहकार की भूमिका में थे। इसमें कटरीना कैफ, रणबीर कपूर और अर्जुन रामपाल भी थे।

नटसम्राट- 2016

मराठी फिल्म 'नटसम्राट' में नाना पाटेकर ने गणपतराव 'अप्पा' बेलवलकर का किरदार निभाया था। इसमें उन्होंने एक ऐसे शख्स का किरदार निभाया था जो कभी मशहूर नायक था। मगर बुढ़ापे में उन्हें परिवार की उपेक्षा और अकेलेपन का सामना करना पड़ता है।

वनवास- 2024

इस फिल्म में नाना पाटेकर ने दीपक त्यागी (प्रताप सिंघाना) नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति का किरदार निभाया था। यह किरदार भूलने की बीमारी से ग्रस्त होता है।

नाना की आखिरी फिल्म : नाना पाटकर की आखिरी फिल्म 'ओ रोमियो' थी। अभिनेता ने इसमें डीएसपी इस्माइल खान का किरदार निभाया था। उनका यह किरदार सख्त और तेजतर्रार पुलिस/इंटेलिजेंस अधिकारी का था। इसमें शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल थीं। 150 करोड़ की लागत से बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 123.10 करोड़ रुपए कमा सकी थी।

हीरो बनने के चक्कर में एक्टर मत खोना

शाहरुख खान ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर भावुक श्रद्धांजलि दी है। नाना के साथ अपनी पुरानी तस्वीर साझा करते हुए शाहरुख ने उनके साथ पहली मुलाकात से लेकर उनकी दोस्ती, सीख और साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि नाना अक्सर उन्हें अभिनय को लेकर समझाते थे। उनकी सबसे यादगार बातों में से एक थी, 'हीरो बनने के चक्कर में एक्टर मत खोना।' यही लाइन शाहरुख ने अपनी श्रद्धांजलि के अंत में भी दोहराई।



मैं भगवान को मार देना चाहता हूं

नाना पाटेकर के निधन की खबर सामने आने के बाद राम गोपाल वर्मा ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि हर कोई जानता है कि कोई भी इंसान अमर नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि नाना जैसे मजबूत शख्स इतनी अचानक इस दुनिया से चले गए। राम गोपाल वर्मा ने अपने पोस्ट में नाना की मौत को लेकर अपनी नाराजगी और बेबसी भी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि उन्हें नाना के दिल के फेल होने से नफरत है और ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वह उस भगवान को मार देना चाहते हैं, जिसने अभिनय के भगवान नाना पाटेकर को उनसे छीन लिया।



बहुत याद आएंगे

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी नाना पाटेकर को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने संदेश में केवल नाना के कलाकार के रूप में योगदान और उनकी प्रतिभा को याद किया। उन्होंने लिखा कि एक महान अभिनेता, शानदार व्यक्तित्व और अभिनय कला के सच्चे दिग्गज के निधन से वह बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों में नाना का योगदान और अभिनय के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा।



वह एक बेहतरीन अभिनेता थे

रितेश देशमुख ने लिखा, 'मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि मैं कितना सदमे में हूं। ऐसा लग रहा है जैसे किसी ट्रक ने मुझे टक्कर मार दी हो। नाना पाटेकर जी के निधन की खबर सुनकर मैं बेहद दुखी हूं। वह एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। अपनी अलग शैली और अभिनय के खास अंदाज से उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनाई। ऐसा कोई किरदार नहीं था, जिसे वह निभा न सकें। उन्होंने हर तरह के किरदार में खुद को साबित किया- चाहे वह एक बड़े पर्दे के हीरो का किरदार हो, डरावने विलेन का या फिर अपने शांत अंदाज वाली कॉमेडी का। वह पर्दे के बाहर भी एक हीरो थे।



जब परदे पर गरजे नाना, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने डायलॉग बोलने का अंदाज भी लोगों को आता था काफी पसंद

नाना पाटेकर ने 'गमन' फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और 'ओ रोमियो' तक में काम किया। अभिनेता की सिर्फ फिल्में ही नहीं, बल्कि उनके डायलॉग्स भी काफी चर्चा में रहे। 'साला ये दुख काहे खत्म नहीं होता बे'... नाना पाटेकर सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए नहीं जाने जाते थे। बल्कि, उनके बोलने का अंदाज भी लोगों को काफी पसंद आता था। यही वजह थी कि जब वह अपनी फिल्मों में किसी डायलॉग को बोलते थे, तो वह छा जाता था। अभिनेता ने कभी गुस्से में बोलकर तालियां बटोरीं, तो कभी एक साधारण-सी बात को अपने अंदाज से ऐसा बना दिया कि वह वर्षों तक याद रही। 'क्रांतिवीर' से लेकर 'वेलकम' तक उनके संवादों ने उनके किरदारों को अलग पहचान दी। खास बात यह रही कि नाना की संवाद अदायगी में अभिनय और वास्तविकता के बीच की दूरी लगभग खत्म हो जाती थी। आइए नजर डालते हैं उनके 10 ऐसे संवादों पर, जिनका असर फिल्मों के बाहर भी दिखाई दिया।

आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने

यह शायद नाना पाटेकर के कॅरियर का सबसे पहचाना जाने वाला संवाद है। 'क्रांतिवीर' के एक सीन में बोले गए इस डायलॉग में गुस्सा, चुनौती और व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह तीनों दिखाई देते हैं। नाना की आवाज और चेहरे के भाव ने इसे महज एक फिल्मी लाइन नहीं रहने दिया। आज भी यह डायलॉग उनके नाम के साथ सबसे पहले याद किया जाता है।

ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा?'

अभिनेता का दूसरा डायलॉग भी फिल्म 'क्रांतिवीर' से ही है। इसका असर सिर्फ सिनेमाई नहीं था। नाना का किरदार धर्म के नाम पर होने वाली हिंसा पर सीधा सवाल खड़ा करता है। सवाल बेहद सरल था, लेकिन उसकी ताकत इसी सादगी में थी। खून का रंग एक है तो इंसानों को धर्म के नाम पर अलग क्यों किया जाए? यह संवाद आज भी 'क्रांतिवीर' के सबसे प्रभावशाली दृश्यों में गिना जाता है।

सौ में से अस्सी बेईमान फिर भी मेरा भारत महान

यह डायलॉग व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर नाना के किरदार की नाराजगी को सामने रखता है। व्यंग्य के अंदाज में कही गई यह लाइन इतनी लोकप्रिय हुई कि लंबे समय तक भ्रष्ट व्यवस्था पर टिप्पणी करते समय इसे दोहराया जाता रहा। नाना की आवाज ने इस व्यंग्य को और धार दी।

एक मच्छर साला आदमी को हिजड़ा बना देता है

'यशवंत' का यह डायलॉग नाना की आक्रामक संवाद अदायगी का बेहतरीन उदाहरण है। लाइन के शब्द भले ही तीखे हों, लेकिन इसे लोकप्रिय बनाने में नाना की प्रस्तुति का बड़ा योगदान रहा। यह उन डायलॉग में शामिल हो गया, जिनका जिक्र नाना पाटेकर के नाम के साथ आज भी तुरंत होता है।

धंधे में कोई किसी का भाई नहीं होता

'परिंदा' में नाना ने अन्ना के किरदार में अपराध की दुनिया का निर्मम चेहरा दिखाया था। यह डायलॉग उस दुनिया के उसूल को बेहद सीधे शब्दों में सामने रखता है, जहां रिश्तों से ज्यादा मायने स्वार्थ और धंधे का होता है। इस भूमिका ने नाना को हिंदी सिनेमा के सबसे प्रभावशाली नेगेटिव किरदारों में जगह दिलाई।

टीवी मसाला



क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के स्लॉट पर आएगा अप्सरा

नई दिल्ली। स्टार प्लस के आइकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' के ऑफ-एयर होने की खबर सामने आते ही टीवी गलियारों में हलचल तेज हो गई थी। लेकिन, अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर वो कौन सा शो है और क्या है उसका कॉन्सेप्ट, जो तुलसी और मिहिर विरानी के इस चर्चित पारिवारिक ड्रामे को रिप्लेस करने जा रहा है? 21 अक्टूबर से रात 10:30 बजे शुरू हो रहा नया सुपरनैचुरल फैंटेसी शो 'अप्सरा' टीवी के पारंपरिक दायरे को तोड़कर दर्शकों को एक ऐसी अलौकिक दुनिया में ले जाने वाला है, जिसकी कल्पना अब तक किसी शो में नहीं की गई थी। मुक्ता धोंड के प्रोडक्शन में बने इस शो की कहानी प्राचीन पौराणिक कथा 'समुद्र मंथन' के उस अनकहे हिस्से से शुरू होती है, जहां से अमृत कलश और अप्सराओं की उत्पत्ति हुई थी। शो का प्लॉट एक बेहद हैरान कर देने वाली कल्पना पर आधारित है। कलयुग के इस दौर में भी वह दिव्य अमृत कलश धरती पर ही मौजूद है, और स्वर्गलोक ने इस अमृत को बुरी ताकतों से सुरक्षित रखने का जिम्मा अप्सराओं के कुल को सौंपा हुआ है। ये अमृत अगर किसी गलत हाथ में चला गया, तो पूरी मानव सभ्यता का विनाश निश्चित है। आमतौर पर टीवी और फिल्मों में अप्सराओं को केवल सुंदरता, मोहक अदाओं और नृत्य के लिए दिखाया जाता रहा है। लेकिन शो में लीड रोल निभा रहीं समिक्षा जायसवाल (सुनहरी) इस रूढ़िवादी छवि को पूरी तरह तोड़ती नजर आएंगी। सुनहरी कोई ऐसी अप्सरा नहीं है जो किसी राजकुमार या नायक के आने का इंतजार करे, बल्कि वह खुद अपनी लड़ाई की नायक और एक निपुण योद्धा है। लेकिन, इस लड़ाई में सबसे बड़ा मोड़ और दर्द तब आता है, जब अमृत कलश पर कब्जा करने की कोशिश करने वाली कोई और नहीं, बल्कि उसकी अपनी सगी बहन धारा (अनुष्का मर्चेंडे) बन जाती है। अपनों के प्रति प्यार और अमृत की रक्षा के कर्तव्य के बीच सुनहरी का यह अंदरूनी संघर्ष कहानी को बेहद भावुक मोड़ देता है।

स्काउट-काजी में झगड़ा, कैप्टेंसी डिबेट में मचा बवाल

नई दिल्ली। कलर्स और जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहे देश के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के घर में हर गुजरते दिन के साथ रिश्तों की उलझन और कड़वाहट नए चरम पर पहुंच रही है। जिस एपिसोड का आगाज यंग डीएसए, लव गिल और आम्रपाली दुबे के बीच की हल्की-फुल्की हंसी-मजाक से हुआ था, वही दिन ढलते-ढलते एक भयंकर सियासी और आक्रामक अखाड़े में तब्दील हो गया। कैप्टेंसी की अगली दावेदारी हासिल करने के लिए मेकर्स ने घर के भीतर एक लाइव टेलीविजन न्यूजरूम खड़ा कर दिया, जहां मर्यादा की सीमाएं लांघी गईं और दो कंटेस्टेंट्स के बीच हाथापाई तक की नौबत आ गई। डिबेट की यह चिंगारी मंच से उतरकर सीधे लिविंग एरिया में धधक उठी। काजी के मुद्दे पर बात करते-करते गेमर स्काउट ओपी और काजी तौकीर के बीच जुबानी जंग इतनी बढ़ गई कि दोनों अपना आपा खो बैठे। गुस्सा इस कदर भड़का कि दोनों एक-दूसरे पर झपटने को तैयार हो गए और मामला सीधे तौर पर हाथापाई तक पहुंच गया।



बीएफआई लंदन... में दिखाई जाएगी पाकीजा

नई दिल्ली। 18 अक्टूबर होने वाले प्रतिष्ठित 'बीएफ़आई लंदन फ़िल्म फ़ेस्टिवल' में हिंदी सिनेमा की क्लासिक फ़िल्म 'पाकीज़ा' एक नए 4केरेस्टोरेशन के साथ बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। सेंट्रल लंदन के बीएफ़आई आईमैक्स में होने वाली इस ख़ास स्क्रीनिंग के सभी टिकट करीब एक महीने पहले ही पूरे बिक चुके हैं। टिकटों का 'सोल्ड आउट' होना इस बात की गवाही है कि रिलीज़ के 54 साल बाद भी 'पाकीज़ा' का जादू बरक़रार है। गुज़रा वक़्त उसकी चमक को धुंधला नहीं कर पाया। निर्देशक कमाल अमरोही की इस क्लासिक फ़िल्म का संरक्षण 'फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन' ने अमरोही परिवार के सहयोग से किया है। इस नए वर्जन का वर्ल्ड प्रीमियर फ्रांस के ल्यों में 'फेस्टिवल ल्यूमिएर' में होगा, जिसके बाद इसे 'बीएफ़आई लंदन फिल्म फ़ेस्टिवल' में दिखाया जाएगा।



बड़े पर्दे पर पहली बार बाप-बेटे की भिड़ंत

मुंबई। साउथ इंडस्ट्री से नवंबर 2026 में एक अनचाहा क्लैश देखने को मिलने वाला है। सिनेमाघरों में बाप और बेटे आपस में टकराने जा रहे हैं। एक तरफ मामूटी की फिल्म ओम होगी, वहीं दूसरी तरफ दुलकर सलमान की रोमांटिक मूवी आकासम लो ओका तारा। दोनों ही फिल्में टक्कर की लग रही हैं इस वजह से इसे आने वाले समय का एक रोचक बॉक्स ऑफिस क्लैश माना जा रहा है। साथ ही सिनेमा के इतिहास में ये दोनों बाप-बेटे भी बॉक्स ऑफिस पर पहली बार टकरा रहे हैं। अगर दोनों फिल्मों के बीच क्लैश की बात करें तो राजकुमार पेरियासामी की फिल्म ओम पहले 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने वाली थी। लेकिन रजनीकांत की जेलर 2 की रिलीज के चलते ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन किया गया है।

लौटकर आ रहा है सेनापति, कमल की इंडियन 3 का ऐलान

साउथ सिनेमा के वेटरन एक्टर के तौर पर कमल हासन को जाना जाता है। बात की जाए कमल के एक्टिंग कॅरियर की आइकॉनिक मूवीज के बारे में तो उसमें साल 1996 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म इंडियन का नाम शामिल होता है। करीब 28 साल बाद साल इंडियन का सीक्वल रिलीज किया गया। अब मेकर्स की तरफ से कमल हासन स्टारर इंडियन 3 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। साथ ही फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर भी साझा किए गए हैं।

नई दिल्ली। करीब 6 दशकों से बतौर अभिनेता कमल हासन सिनेमा जगत में एक्टिव हैं। वैसे तो उन्होंने कई यादगार फिल्में की हैं, लेकिन इंडियन फिल्म फ्रेंचाइजी सबसे खास मानी जाती है। 90 के दशक में शुरू हुई इस सुपरहिट मूवी फ्रेंचाइजी को अब मेकर्स तीसरी किस्त तक ले जाना चाहते हैं। जिसके आधार पर गुरुवार को कमल हासन की इंडियन 3 की अनाउंसमेंट की गई है। दरअसल, 8 अक्टूबर को इंडियन 3 के प्रोडेक्शन



हाउस लाइका प्रोडक्शंस की तरफ से इस मूवी फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट इंडियन 3 का आधिकारिक ऐलान किया गया है। इंडियन 3 के अलावा कमल हासन का नाम लंबे समय से निर्देशक नाग अश्विन की अपकमिंग मूवी कल्कि 2898 एडी के सीक्वल के लेकर चर्चा में बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अगले साल 2027 में कमल की कल्कि को बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा। इस मूवी में वह यास्किन का नेगेटिव रोल प्ले करते दिखेंगे।

इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज होंगी कई बेहतरीन फिल्में और सीरीज

परिणीति उठाएंगी जनता के मुद्दे, महिलाओं की सुरक्षा करेंगी कनी

नई दिल्ली। मौसम बदल रहा है। उत्तर भारत में गर्मी से राहत मिली है। अब रातें ठंडी हो रही हैं। ऐसे में लोग घर से बाहर निकल कर घूमने-फिरने जा रहे हैं। कुछ लोग अच्छा वक्त बिताने के लिए सिनेमा का रुख कर रहे हैं। कई लोग घर पर बैठ कर मौसम का आनंद लेना चाहते हैं। इन लोगों के लिए यह वीकएंड खास होने वाला है, क्योंकि इस वीकएंड ओटीटी पर कई फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं।

रिपोर्टिंग लाइव : अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' इस वीक की ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 09 अक्तूबर को दस्तक देगी। इसमें वे पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी और अवैध रेत खनन का पर्दाफाश करेंगी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। परिणीति के अलावा फिल्म में देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन जैसे सितारे हैं।

आवारापन 2 : इमरान हाशमी अभिनीत फिल्म 'आवारापन 2' ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद इसे ओटीटी पर भी रिलीज किया गया। मगर, अब तक यह सिर्फ रेंट पर उपलब्ध थी। इसे देखने के लिए दर्शकों को जेब ढीली करनी पड़ रही थी। मगर, अब यह मासिक सब्सक्रिप्शन वाले यूजर्स के लिए भी 09 अक्टूबर से उपलब्ध रहेगी। इसे प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है।

आइज: मलयालम वेब सीरीज 'आइज' 9 अक्टूबर को सोनी लिव पर रिलीज होने वाली है। इसकी कहानी पुलिस अफसर टीना सेबेस्टियन (कनी कुसरुति) के आस-पास घूमती है। वह स्टॉकिंग के परेशान करने वाले मामलों की जांच करती हैं। इन मामलों को सुलझाने के लिए वह मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर काम करती हैं, ताकि अपराधियों की सोच को समझ सकें।







मंदादि : यह तमिल भाषा की स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। यह 10 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। अब यह फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। सूरी और सुहास अभिनीत यह फिल्म 08 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बिलो : *यह कनाडाई थ्रिलर वेब सीरीज है, जो 08 अक्तूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। जोश हार्टनेट, मैकेंजी डेविस और चार्ली हीटन अभिनीत यह सीरीज समुद्र किनारे बसे एक छोटे से शहर की कहानी पर आधारित है। शहर पर अचानक एक रहस्यमयी समुद्री जीव का आतंक शुरू हो जाता है। ऐसे में एक मछुआरा सामने आता है, जो अपने समुदाय और परिवार की सुरक्षा के लिए खतरनाक जीव से दो-दो हाथ करता है।*

टेक चार्ज ऑफ माय हार्ट : *अगर के-ड्रामा सीरीज में आपकी दिलचस्पी है तो यह सीरीज आपके लिए है। इसे 09 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे। इसकी कहानी एक बड़े कारोबारी घराने के वारिस की है, जिसके शरीर में आर्टिफिशियल हार्ट लगा है। उसकी जिंदगी में एक लड़की आती है।*

एनिमल्स : *यह एक अमेरिकी क्राइम थ्रिलर फिल्म है। बेन अफ्लेक निर्देशित 'एनिमल्स' 09 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें अफ्लेक, केरी वाशिंगटन, जिलियन एंडरसन, एड्रियाना पाज और लुइस गेराडों मेंडेज हैं। यह एक राजनीतिक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो एक मेयर पद के उम्मीदवार के इर्द-गिर्द घूमती है।*

खबर संक्षेप



दृष्टि दिवस पर नेत्र सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

रायगढ़। पुसौर ब्लॉक के ग्राम पंचायत मिडमिडा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को आंखों की देखभाल, नेत्र रोगों से बचाव और समय.समय पर आंखों की जांच कराने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान वरिष्ठ नेत्र सहायक अधिकारी रामेश्वर पटेल ने लोगों को नेत्र सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

टिनमिनी शिविर में 490 ग्रामीण लाभांवित



रायगढ़। हर एक व्यक्ति को निरोगी रखने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए पुसौर ब्लॉक के टिनमिनी में 10 बजे से 4 बजे तक आयुर्वेद एवं होमियोपैथी चिकित्सा शिविर में आयोजन किया गया। भगवान धनवंतरी की पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की महत्ता के बारे मे लोगों को बताये एवं आयुर्वेद पद्धति अपनाने के लिए लोगों को अपील किये। आयुर्वेद का मूल सिद्धांत यही है कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना एवं रोगी व्यक्ति के रोग को दूर करना।

पीडी महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम



रायगढ़। शासकीय पालूराम धनानिया वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय रायगढ़ में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार एक्का के मार्गदर्शन व स्वीप के नोडल अधिकारी डॉ. ऊषा नायक के नेतृत्व में निबंध, रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य ने नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को ईएलसी नेट के माध्यम से मतदाता परिचय पत्र बनवाने हेतु फॉर्म 6 भरने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि मतदाता परिचय पत्र लोकतंत्र में मत देने के अधिकार के लिए आवश्यक है। ईएलसी नोडल अधिकारी डॉ. ऊषा नायक ने भारत के संविधान में लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनावी प्रक्रियाओं को विस्तार से विद्यार्थियों को बताया साथ ही उन्होंने भारत के चुनाव आयोग की भूमिका और विशेष गहन पुनरीक्षण और मतदाता सूची के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी दी। इस दौरान मतदाता जागरूकता के संबंध में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम अनन्या यादव बीए प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय स्थान प्रियंका सिदार बी कॉम फर्स्ट सेमेस्टर और तृतीय स्थान पर संजना मानिकपुरी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी तरह पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम सुप्रीती द्वितीय सामिया खातून बीए प्रथम सेमेस्टर और तृतीय स्थान पर रागिनी श्रीवास बीए फर्स्ट सेमेस्टर रहे।

व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर

रायगढ़। जिले के स्कूलों में संचालित व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभावी संचालन को लेकर समग्र शिक्षा की ओर से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों को बेहतर कौशल प्रशिक्षण देने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में समग्र शिक्षा के सहायक कार्यक्रम समन्वयक भूपेंद्र पटेल, अभय पांडे, पूनम राजपूत, ज्योत्सना राजपूत और ऊषा साहू सहित जिले के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षक शामिल हुए।

शिक्षा दान अभियान में स्कूलों की कक्षाओं तक पहुंचा प्रशासन, बच्चों को पढ़ाया और दिया सफलता का मंत्र

कलेक्टर-एसपी, डीईओ ने बच्चों की ली क्लास

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़-बिलाईगढ़





जिलेभर में शिक्षा दान की अनूठी पहल देखने को मिली, जब कलेक्टर, एसपी से लेकर जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी एक दिन के लिए शिक्षक की भूमिका में नजर आए। प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाले अधिकारी जब स्कूलों की कक्षाओं में पहुंचे और बच्चों को पढ़ाने लगे तो विद्यार्थियों में उत्साह और जिज्ञासा का माहौल बन गया। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा, जिला जिला पंचायत सीईओ, डीईओ एनएल पटेल, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर सहित जिले के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय, विकासखंड एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों ने विद्यालयों में पहुंचकर बच्चों के बीच अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के उपयोगी सुझाव देने के साथ जीवन में सफलता प्राप्त करने, लक्ष्य निर्धारित करने और बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित शिक्षा दान कार्यक्रम ने प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच आत्मीय संवाद का अवसर प्रदान किया। अधिकारियों ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों को पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ जीवन की व्यावहारिक सीख भी दी। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन, पढ़ाई के दौरान आने वाली चुनौतियों, संघर्ष, मेहनत और सफलता के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और निरंतर प्रयास से जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को भविष्य निर्माण और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों के संबंध में विशेष मार्गदर्शन दिया गया। अधिकारियों ने बच्चों को अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करने तथा उसे हासिल करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य का स्पष्ट होना आवश्यक है। यदि विद्यार्थी स्कूली जीवन से ही अपने भविष्य की दिशा तय कर नियमित मेहनत करें तो वे अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। अधिकारियों ने बच्चों को बड़े सपने देखने के साथ उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर अध्ययन, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। इस दौरान बच्चों ने अपनी भविष्य की आकांक्षाएं भी साझा कीं और अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

शिक्षा के साथ संस्कार और सर्वांगीण विकास का दिया संदेश

शिक्षा दान कार्यक्रम में बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और नैतिक विकास पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समझाया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञानवान, अनुशासित, संवेदनशील और संस्कारवान नागरिक बनना भी है। उन्होंने बच्चों को माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करने, अच्छी आदतें अपनाने, समय का सदुपयोग करने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने की सीख दी। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद, योग, व्यायाम और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच और मजबूत आत्मविश्वास जीवन में आगे बढ़ने के महत्वपूर्ण आधार हैं। बच्चों को मोबाइल एवं अन्य डिजिटल माध्यमों का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा नियमित अध्ययन के साथ अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जिला स्तरीय सेवा संकल्प अभियान प्रतियोगिता में पुसौर के छात्रों का दबदबा

रायगढ़। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में पुसौर विकासखंड के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। पीएमश्री नटवर अंग्रेजी माध्यम स्कूल, रायगढ़ में 6 अक्टूबर को आयोजित प्रतियोगिता में जिले के सभी सात विकासखंडों से चयनित प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता प्राथमिकए माध्यमिक और सेकेंडरी स्तर पर आयोजित की गई। प्रत्येक स्तर पर भाषण एवं चित्रकला की प्रतियोगिता हुई। पुसौर विकासखंड से 12 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 8 विद्यार्थियों ने प्रथम तीन स्थानों में जगह बनाई। पुसौर के विद्यार्थियों ने छह विधाओं में से पांच में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा और तैयारी का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चित्रकला के प्राथमिक स्तर पर डिवाइन लाइफ स्कूल, झलमला की संजना प्रजापतिए माध्यमिक स्तर पर इसी विद्यालय की प्राची मेहर तथा सेकेंडरी स्तर पर पायोनियर पब्लिक स्कूल, कोंडातराई की गरिमा पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता के प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक शाला खोखरा की फातिमा महंत ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी स्तर पर सेंट जेरोम मियानी जकेला की कुमकुम श्रीवास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जंगल में जुए की महफिल सजाने की तैयारी, पहुंच गई पुलिस



छाल। छाल थाना क्षेत्र के ग्राम हाटी से जामपाली के बीच जंगल क्षेत्र में जुआ खेल रहे तीन लोगों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस की आधिकारिक पुष्टि और विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। सूत्रों के मुताबिक हाटी और कीदा क्षेत्र के कुछ लोगों द्वारा कोरबा जिले और रायगढ़ क्षेत्र से खिलाड़ियों को बुलाकर जंगल में जुए की महफिल सजाने की तैयारी की गई थी। इसी दौरान पुलिस की कार्रवाई से कथित जुआ गतिविधियों पर अंकुश लगाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि रायगढ़ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा.निर्देश पर छाल थाना प्रभारी नासिर खान के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। हालांकिए कार्रवाई की परिस्थितियों और बरामदगी से संबंधित आधिकारिक विवरण की पुष्टि होना शेष है। सूत्रों के अनुसारए बुधवार को कोरबा जिले के कुदमुरा क्षेत्र में भी इन्हीं खिलाड़ियों के कथित रूप से जुआ खेलने की सूचना पर करतला पुलिस ने जंगल क्षेत्र में दबिश दी थी। हालांकि, उस कार्रवाई में किसी के पकड़ में आने की जानकारी नहीं मिली। इसके बाद छाल थाना क्षेत्र में कथित जुआ गतिविधियों की सूचना सामने आई। छाल क्षेत्र में जुआ गतिविधियों को लेकर सामने आई इस जानकारी के बाद स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। यदि जंगल क्षेत्रों में इस तरह की गतिविधियां संचालित हो रही हैं, तो उन पर प्रभावी कार्रवाई करना कानून.व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

कलेक्टर ने की राजस्व विभाग की समीक्षा, नामांतरण सीमांकन, नक्शा, बटांकन का हो निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने नामांतरण, सीमांकन, नक्शा.बटांकन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लेते हुए सभी लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश का मौसम अब समाप्त हो गया है। सभी राजस्व अधिकारी अब राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने पूरी सक्रियता के साथ कार्य करें।

कलेक्टर ने वन अधिकार पट्टा एवं फौती नामांतरण से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे प्रकरणों का नियमानुसार त्वरित निराकरण किया जाए, ताकि हितग्राहियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने डीसीएस कार्य को भी निर्धारित समय.सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विभिन्न शासकीय विभागों को भूमि आवंटन से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि एनओसी की प्रक्रिया के कारण प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करें, ताकि शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। कलेक्टर ने मिसल से खसरा मिलान की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करें।

पंचायत समाधान मंच को दें बढ़ावा

कलेक्टर ने पंचायत समाधान मंच की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पंचायत समाधान मंच मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण का प्रभावी और बेहतर माध्यम है। इसका अधिक से अधिक उपयोग करते हुए स्थानीय स्तर पर प्रकरणों के समाधान को बढ़ावा दिया जाए।

बैगिनडीह के हस्तशिल्प कलाकारों को मिली नई सौगात, 8 लाख से तैयार सुविधा केंद्र का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़-बिलाईगढ़



सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत बैगिनडीह में पारंपरिक हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहन देने और स्थानीय शिल्पकारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। ग्राम पंचायत में डीएमएफ मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 8 लाख रुपए की लागत से जीर्णोद्धारित सामान्य सुविधा केंद्र भवन का जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय भूषण पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ऋषिकेश तिवारी ने फीता काटकर लोकार्पण किया।

ग्राम बैगिनडीह अपनी पारंपरिक हस्तशिल्प कला झारा आर्ट के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां के स्थानीय शिल्पकार अपनी कलात्मक प्रतिभा से विभिन्न प्रकार की आकर्षक हस्तनिर्मित वस्तुएं तैयार करते हैं। इन उत्पादों की शहरी क्षेत्रों में भी अच्छी मांग है। अब सामान्य सुविधा केंद्र के माध्यम से गांव के शिल्पकारों को एक ही स्थान पर अपनी कलाकृतियां तैयार करने के लिए बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध होगा। इस केंद्र के शुरू होने से झारा आर्ट से जुड़े ग्रामीण कारीगरों को अपने उत्पादों के निर्माण में सुविधा मिलेगी। साथ ही पारंपरिक कला को बढ़ावा मिलने, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने और ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ होने की उम्मीद है। यह पहल बैगिनडीह की हस्तशिल्प कला को नई पहचान दिलाने और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

राष्ट्रपति से सम्मानित शिल्पकार हीरा झरेखा का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने राष्ट्रपति से सम्मानित स्थानीय हस्तशिल्प कलाकार श्रीमती हीरा बाई झरेखा को पुष्प भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनकी पारंपरिक हस्तशिल्प कला के क्षेत्र में उपलब्धियों और योगदान की सराहना की गई। उनका सम्मान स्थानीय शिल्पकारों के लिए प्रेरणादायक रहा।

सरिया में पीएमश्री अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की मांग, शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



सरिया। एनएसयूआई ने सरिया नगर पंचायत में पीएमश्री अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की मांग की है। इस मांग को लेकर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री के नाम सरिया तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत तहसील मुख्यालय सरिया में शुक्रवार को एनएसयूआई ब्लाक अध्यक्ष सरिया निखिल डनसेना के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सरिया तहसील ऑफिस पहुंचकर तहसीलदार पुष्पराज को शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। एनएसयूआई का कहना है कि सरिया नगर पंचायत और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर और आधुनिक अंग्रेजी माध्यम स्कूल मिल सके। इसके लिए सरिया में एक पीएमश्री स्कूल का होना बेहद जरूरी है। वर्तमान में स्थानीय स्तर पर उत्कृष्ट सरकारी अंग्रेजी माध्यम के विकल्पों की कमी के कारण छात्रों को दूर दराज के इलाकों या निजी स्कूलों का रूख करना पड़ रहा है। एनएसयूआई द्वारा सौंप गए ज्ञापन में मांग किया गया है कि वर्तमान में संचालित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सरिया के पास पर्याप्त भूमि एवं परिसर उपलब्ध है। जिसे केंद्र और राज्य सरकार की पीएमश्री योजना के मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा सकता है। एन एस यू आई ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री से मांग किया है की सरिया क्षेत्र के हजारों छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सरिया को पीएमश्री अंग्रेजी माध्यम स्कूल के रूप में परिवर्तित कर आगामी शैक्षणिक सत्र से संचालित करने की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है। शुक्रवार को स्थानीय प्रशासन तहसीलदार के माध्यम से यह मांग सीधे राज्य के शिक्षा मंत्री तक पहुंचाने के लिए दिया गया।

जिंदल फाउंडेशन 78 गांवों के महिलाओं को कर रहा जागरूक

पराली को जलाएंगे नहीं, खेत से उठाकर बेच सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



ज्यादातर किसान धान की फसल के बाद खेत में छूट गए पराली को जला देते हैं, इससे जमीन को नुकसान होता है, जमीन की उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है। जिंदल फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र के लोगों को पराली जलाने से रोकने के लिए प्रयास किया जा रहा है। क्षेत्र के 78 गांवों में विशेष रूप से स्व सहायता समूह की महिलाओं को इसके लिए जागरूक किया जा रहा है। बिहान समूह से जुड़ी महिलाओं को जन जीविका केंद्र में पराली प्रबंधन के लिए विषेश रूप से प्रशिक्षण दिया गया। महिलाओं को पराली जलाने के नुकसान व उसे इकट्ठा कर किसान समूह को देने के फायदे बताए गए।

जिंदल पॉवर के जिंदल फाउंडेशन द्वारा पराली के उपयोग और उससे आर्थिक लाभ महिलाओं को कैसे मिले यह बताने के लिए बिहान समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी संतोष डनसेना ने बिहान समूह की महिलाओं को पराली को जलाने के बजाय उसे इकट्ठा कर उससे आर्थिक लाभ कैसे प्राप्त किया जा सकता है इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धान बेचने से तो किसानों को फायदा होता है, लेकिन पराली इकट्ठा कर महिलाएं भी पैसा कमा सकतीं हैं क्योंकि जितना पराली वो इकट्ठा करके किसान उत्पादक समूह को बेचेंगी उसका पैसा सीधा समूह की महिलाओं के खाते में जाएगा। उन्होंने बताया कि पराली इकट्ठा करने के लिए जरूरी मषीनें जिंदल फाउंडेशन के पास से उसका उपयोग महिलाएं कर सकतीं हैं।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को भी दी गई जानकारी

शुक्रवार को क्षेत्र में पदस्थ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को भी पराली नहीं जलाने और उसके उपयोग के संबंध में जानकारी देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्हें बताया गया कि वे किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित करें। सीएसआर की मैनेजर षीतल पटेल ने बताया कि जो भी किसान अपने खेत से पराली देना चाहेगा वह केवल सूचना दे दे उसके खेत से पराली काटने व इकट्ठा करने का काम कंपनी द्वारा किया जाएगा।

